



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 17]

नई दिल्ली, बुधवार, जनवरी 12, 1994/पौष 22, 1915

No. 17] NEW DELHI, WEDNESDAY, JANUARY 12, 1994/PAUSA 22, 1915

नागर विमानन और पर्यटन मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 12 जनवरी, 1994

सा.का.नि. 20(अ).—वायुयान (संशोधन) नियम, 1993 का प्रारूप, वायुयान अधिनियम, 1934 (1934 का 22) की धारा 14 की अपेक्षानुसार भारत के राजपत्र भाग 2, खंड 3, उपखंड (1), तारीख 23 जून, 1993 में पृष्ठ 1 से 6 पर सरकार के नागर विमानन और पर्यटन मंत्रालय की अधिसूचना सं. सा.का.नि. 475 (अ), तारीख 23 जून, 1993 के साथ प्रकाशित किया गया था जिसमें उन सभी व्यक्तियों से जिनके उमसे प्रभावित होने की संभावना थी, आक्षेप और सुझाव मांगे गए थे;

और उक्त अधिसूचना की प्रतियां जनता को 21 जुलाई, 1993 को उपलब्ध करा दी गई थी;

और उक्त प्रारूप नियमों के संबंध में कोई आक्षेप और सुझाव प्राप्त नहीं हुए हैं।

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 4 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए वायुयान नियम, 1937 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम (प्रथम संशोधन) नियम, 1994 है।  
(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
2. वायुयान नियम, 1937 में,—  
(1) नियम (1) में,—  
(क) उप-नियम (2) में,—  
(1) खंड (क) में, उपनियम (4) के अधीन आने वाले मामलों के सिवाए “गद्द, कोष्ठक और अंक आरंभ में जोड़े जाएंगे,  
(2) दूसरे परन्तुक के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा अर्थात् :—

“परन्तु यह और कि पूर्वगामी परन्तुक उस वायुयान को, जिसका रजिस्ट्रीकरण ऐसे किसी देश

में हुआ है जिसके विनियम 7 दिसंबर, 1994 को शिकागो में हताशर के लिए प्रस्तुत किए गए अंतरराष्ट्रीय सविल विमानन अधिसमय के अधीन समय-समय पर स्थापित किए गए न्यूनतम मानकों के समान मानकों पर आधारित नहीं हैं और उप नियम (3) के अर्धान आने वाले मामलों में लागू नहीं होगा।”

अधीन आने वाला भारतीय रजिस्ट्रीकृत वायुयान ऐसे वायुयान के रूप में समझा जाएगा जो भारत में रजिस्ट्रीकृत नहीं है।”

[फाइल संख्या एबी-11012/4/92-ए]

पी. के. वैनर्जो, संयुक्त सचिव

(ख) उप नियम (2) के पश्चात् निम्नलिखित उप नियम अंतःस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :—

“(3) ये नियम ऐसे वायुयान को भी लागू होंगे जो संविदाकारी राज्य में रजिस्ट्रीकृत हैं और पट्टे, चार्टर या वायुयान की बदला-बदली के करार या किसी ऐसे प्रचालक द्वारा जिसके कारवार का मुख्य स्थान या, यदि उसके कारवार का ऐसा कोई स्थान नहीं है तो उसका स्थायी निवास स्थान भारत में है किए गए किसी समरूप ठहराव के अनुसरण में प्रचालित हैं, परन्तु ऐसा जब कि वायुयान की रजिस्ट्री के राज्य में सरकार और भारत सरकार के बीच अभिसमय के अनुच्छेद 83 बिस के अनुसरण में कृत्यों और कर्तव्यों के अन्तरण के बारे में कोई करार किया गया है। ऐसे वायुयान को इन नियमों के लागू होने का विस्तार दोनों सरकारों के बीच करार के अनुसार होगा।

(4) ये नियम ऐसे वायुयान को लागू नहीं होंगे जो भारत में रजिस्ट्रीकृत हैं और पट्टे, चार्टर या वायुयान की बदला-बदली के करार या किसी ऐसे प्रचालक द्वारा जिसके कारवार का मुख्य स्थान या, यदि उसके कारवार का ऐसा कोई स्थान नहीं है तो उसका स्थायी निवास स्थान संविदाकारी राज्य में है किए गए किसी समरूप ठहराव के अनुसरण में प्रचालित हैं, परन्तु ऐसा तब जब कि भारत सरकार और उस संविदाकारी राज्य की सरकार के बीच अभिसमय के अनुच्छेद 83 बिस के अनुसरण में कृत्यों और कर्तव्यों के अन्तरण के बारे में कोई करार किया गया है। ऐसे वायुयान को इन नियमों के लागू होने का विस्तार दोनों सरकारों के बीच करार के अनुसार होगा।”

(2) नियम 6, नियम 9, नियम 15, नियम 38 क, नियम 44, नियम 59, नियम 59क, नियम 63 और नियम 67 में निम्नलिखित टिप्पण अन्त में जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—

“टिप्पण : इस नियम के प्रयोजन के लिए, नियम

1 के उपनियम (3) के अधीन आने वाला विदेश में रजिस्ट्रीकृत वायुयान भारत में रजिस्ट्रीकृत वायुयान के रूप में समझा जाएगा और नियम 1 के उपनियम (4) के

पाद टिप्पणी : मूल नियम 27 मार्च, 1937 के भारत के राजपत्र के भाग 1, खंड 3, में दिनांक 23 मार्च, 1937 की अधिसूचना संख्या बी-26 के तहत प्रकाशित किए गए थे।

तत्पश्चात् निम्नलिखित द्वारा इनमें संशोधन किया गया था :

1. एस.आर.ओ. 1019 दिनांक 28-5-1952
2. जी.एस.आर. 1238 दिनांक 8-9-1962
3. जी.एस.आर. 1296 दिनांक 20-9-1992
4. जी.एस.आर. 793 दिनांक 15-5-1966
5. जी.एस.आर. 794 दिनांक 16-5-1966
6. जी.एस.आर. 1347 दिनांक 27-11-1973
7. जी.एस.आर. 1202 दिनांक 23-7-1976
8. जी.एस.आर. 504 दिनांक 23-4-1980

## MINISTRY OF CIVIL AVIATION & TOURISM

(Department of Civil Aviation)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 12th January, 1994

G.S.R. 20(E).—Whereas the draft of the Aircraft (Amendment) Rules, 1993 was published as required by Section 14 of the Aircraft Act, 1934 (22 of 1934) at page 1-6 of the Gazette of India, Part-II, Section 3, Sub-section (1) dated the 23rd June, 1993 with the notification of the Government of India in the Ministry of Civil Aviation and Tourism No. GSR 475(E) dated the 23rd June, 1993 inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby;

And whereas the copies of the said notification were made available to the public on 21st July, 1993;

And whereas no objections and suggestions were received on the said draft rules.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 4 of the said Act, the Central Government hereby make the following rules further to amend the Aircraft Rules, 1937, namely :

1. (1) These rules may be called the Aircraft (1st Amendment) Rules, 1994.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

**2. In the Aircraft Rules, 1937,—****(1) in rule (1),—****(a) in sub-rule (2),—**

(i) in clause (a) the words "except cases falling under sub-rule (4)" shall be added at the end.

(ii) in the second proviso, after the figure "1944", the words "and the cases falling under sub-rule (3)", shall be added;

**(b) after sub-rule (2), the following sub-rules shall be inserted, namely :—**

"(3) These rules shall also apply to aircraft registered in a Contracting State and operated pursuant to or agreement for the lease, charter or interchange of the aircraft or any similar arrangement by an operator who has his principal place of business, or, if he has no such place of business, his permanent residence in India, provided that an agreement has been reached between the Government of the State of registry of the Aircraft and the Government of India in regard to transfer of functions and duties pursuant to Article 83 bis of the Convention. The extent of application of these rules to such aircraft shall be as per the agreement between the two Governments.

(4) These rules shall not apply to aircraft registered in India are operated pursuant to an agreement for the lease, charter or interchange of aircraft or any similar arrangement by an operator who has his principal place of business or if he has no such place of business, his permanent residence in a Contracting State, Provided that an agreement has been reached between the Government of India and the

Government of that Contracting State in regard to transfer of functions and duties pursuant to Article 83 bis of the Convention. The extent of non-application of these rules to such aircraft shall be as per the agreement between the two Governments".

(2) in the rules 6, 9, 15, 38A, 44, 59, 59A, 63 and 67, the following note shall be added at the end, namely :—

**Note :—**For the purpose of this rule, foreign registered aircraft falling under sub-rule (3) of rule 1 shall be deemed as aircraft registered in India and Indian registered aircraft falling under sub-rule (4) of rule 1 shall be deemed as aircraft not registered in India".

[File No. AV.11012/4/91-A]

P. K. BANERJI, Jt. Secy.

**Foot Note.—**The Principal Rules were published vide notification No. V-26 dated the 23rd March 1937 in Part-I, Section 3, Gazette of India dated the 27th March, 1937.

**Subsequently amended by :—**

1. SRO 1019 dated 28-05-1952.
2. GSR 1238 dated 08-09-1962.
3. GSR 1296 dated 20-09-1962.
4. GSR 793 dated 15-05-1966.
5. GSR 794 dated 16-05-1966.
6. GSR 1347 dated 27-11-1973.
7. GSR 1202 dated 23-07-1976.
8. GSR GSR 504 dated 26-04-1980.

